[Shri Dipen Ghosh]

time is fixed, the Prime Minister would come and make a statement. The time should be fixed in such a manner so that a leader from each party at least can take part in that discussion following the PM's statement.

THE DEPUTY CHAIRMAN: That is the procedure of the House. There is nothing new about it.

SHRI DIPEN GHOSH: The Prime Minister should make himself available. Till that time we can really have a meaningful debate and discuss on this issue without making hullabaloo. .. (*Interruptions*) ...

SHRI PARVATHANENI UPENDRA: Madam, I again repeat, let the House be adjourned until the Prime Minister comes and clarifies. .. (*Interruptions*) ...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Just a minute, please sit down. ... (*Interruptions*) ... Let me be heard. I said, sit down. I said, let me be heard. .. (*Interruptions*) ... I will not adjourn the House, I can assure you. There is a lot of business to do and I wil go through the business. Don't push me around. I am warning you. I will allow the entire business to go on now and then if there is sufficient time for us, we will allow the Prime Minister. (*Interruptions*). Go back to your seats. Enough I am not allowing anybody.

SHRI T. R. BALU: *

SHRI V. GOPALSAMY: *

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am not allowing you. (*Interruptions*). Don't speak to me like this. I warn you Don't speak to me like this. Don't behave like this before me. (*Interruptions*). Don't speak to me like this. I won't allow this. I won't adjourn the House. I will get the business done. Mr. Minister You start the Bill. (*Interruptions*)

*Not recorded.

Minister, you start the Bill. (*Interruptions*).

Nothing is going on record. Anybody speaking without my permission will not go on record.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Go back to your seats please. (*Interruptions*).

SHRI V. GOPALSAMY: Where is the Prime Minister?

THE DEPUTY CHAIRMAN: The Prime Minister is busy with some work in Lok Sabha. He can't come. (*Interruptions*). Just a minute. Listen to me. The Prime Minister is busy in Lok Sabha on the same issue. (*Interruptions*). Can't you keep quiet for a minute? He cannot be divided into two pieces. You go back to your seats. (*Interruptions*).

THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA): Madam Deputy Chairman, the Prime Minister is busy in Lok Sabha and he will come to this House as soon as he is free. (*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN: I warn the Members, if they do not listen to me, I am going to go ahead with the other business. The Prime Mnister will come as soon as he is free.

---

1. STATUTORY RESOLUTION SEEKING DISAPPROVAL OF THE RESERVE BANK OF INDIA **AMENDMENT ORDNANCE** 1990.

2. THE RESERVE BANK OF INDIA (AMENDMENT) BILL, 1991.

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया (बिहार): उपसभापति महोदया, मैं निम्नलिखित संकल्प उपस्थित करता हूं '—

"यह सभा राष्ट्रपति द्वारा 15 अक्तूबर, 1990 को प्रख्यापित

भारतीय रिजर्व बैंक (संशोधन) अध्यादेश, 1990 (1990 का संख्यांक 7) का निरनुमोदन करती है।"

उपसभापति महोदया, (व्यवधान) भारतीय रिजर्व बैंक (संशोधन) अध्यादेश, 1990 (व्यवधान) का निरनुमोदन करने के लिए मैंने रेजोल्यूशन दिया है (व्यवधान) सोने का महत्व भारतीय संस्कृति में बहुत ज्यादा है.... (व्यवधान) और सोने की कन्यादान से लेकर पिंड दान तक सब जगह जरूरत पड़ती है और विनाश प्रताप सिंह जो इस मुल्क के पिछले 11 महीने के प्रधान मंत्री रहे, उन्होंने भारत के सोने का रेट रीवैल्यूएट करने के लिए जो एक नया विधेयक पास करने की कोशिश की थी उसके पीछे उनकी मंशा कुछ और थी। उनकी मंशा थी कि यह विधेयक लाकर .... (व्यवधान) वे 281 करोड़ के सोने को 6571 करोड़ का सोना दिखाना चाहते थे तथा इस तरह यह प्रबंध करना चाहते थे कि उनके इस 11 महीने के कार्यकाल में उन्होंने विदेशी मुद्रा ज्यादा अर्जित की और सोने का डिपाजिट बढ़ाया। महोदया, यह एक गलत पहल और एक गलत तरीका था। उन्होंने एक फिगर जगलरी के माध्यम से वह प्रमाणित करने की कोशिश की थी कि इस रास्ते पर बहुत सारे देश इसके पहले चले हैं। इसके पहले थाइलैंड, इंडोनेशिया, यू.एस.ए., जापान और साउदी अरेबिया ने भी इसी तरह रीवैल्यूएशन करके अपना खजाना बढ़ाया.... (व्यवधान) जब विनाश प्रताप सिंह प्रधान मंत्री के पद पर आये थे तो सबसे पहले कहा था कि भारतीय खजाने खाली हैं और भारतीय खजाने में कुछ नहीं है.... (व्यवधान) महोदया, जिस वक्त वे इस मुल्क के प्रधान मंत्री बने उन्होंने सबसे पहले कहा कि राजीव गांधी ने खजाना खाली कर दिया है। पर यह आर्डिनेंस प्रमाणित करता है कि 281 करोड़ का जो खजाना सपने का था उसको 7200 करोड़ का वे दिखाना चाहते थे। मैं इसका विरोध करने के लिए इसलिए खड़ा हुआ हूं कि इसके पहले ऐसी पहल चाइना और रशिया ने भी की, आपको सुनकर आश्चर्य होगा कि रशिया में मैरिज रिंग तक पहनने पर मनाही हो गयी है और कल को भारत में अगर मंगलसूत्र पहनने पर मनाही की गयी, सोने को रोकने की कोशिश की गयी तो क्या बनेगा। हिन्दुस्तान में सोने का जिस तरह से महत्व है, सोना जिस तरह से चलता है, अगर इस तरह से उसका रीवैल्यूएशन करके इंटरनेशनल मार्केट में सिर्फ अपनी इमेज बढ़ाने के लिए और अपने पापूलिस्ट स्लोगन को पूरा करने के लिए, सोने की इस तरह की बढ़ोतरी करते रहेंगे तो देश को बड़ा नुकसान पहुंचेगा। इसलिए यह बात कहने से पहले, यह फिगर दिखाने से पहले सरकार इस चीज को स्वीकार करे कि इस राजीव गांधी और इंदिरा गांधी द्वारा बचायी हुई सम्पदा, सोने पर ही हम अपना रीवैल्यूएशन कर रहे हैं, तभी मैं इस पर विचार करूंगा।

महोदया, जब किसी शरीफ आदमी या सम्पन्न परिवार की सारी क्षति हो जाती है, सारा कुछ निकल जाता है तो घर का स्टेटस बढ़ाने के लिए वह अपने घर के सोने की बिक्री करता है। आज उसी सोने की बिक्री करने के लिए लंदन के इंटरनेशनल.... (व्यवधान) भाव पर इसको फिक्स किया गया है जबकि हिन्दुस्तान के प्राइस और लंदन की प्राइस में करीब सवा हजार का फर्क है। यह कुछ लोगों को संतुष्ट करने के लिए या कुछ लोगों को यह सोना बेचने के लिए प्राइस फिक्स किया जा रहा है। महोदया, यह पहल विनाश प्रताप सिंह ने की थी इसलिए मैं इसका विरोध करता हूं। धन्यवाद।

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI DIGVIJAY SINGH): Madam, I beg to move--

"That the Bil lfurther to amend the Reserve Bank of India Act, 1934, as passed by the Lok Sabha, be taken into consideration."

The questions were proposed.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now the Prime Minister has come. All of you, please go back to your seats. The resolution moved by Shri S. S. Ahluwalia and the motion moved by the Minister are open for discussion. But before that, the Prime Minister may like to say something.

RE. PRIME MINISTER'S REMARKS ON SITUATION IN THE TAMIL NADU— *Contd.*

SHRI PARVATHANENI UPENDRA (Andhra Pradesh): Madam, we were assured that after the Prime Minister made his clarification we would be allowed to seek some more clarifications, if necessary...

THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA): No, no clarifications.

THE LEADER OF THE HOUSE (SHRI YASHWANT SINHA): That was not the undrstanding.

SHRI PARVATHANENI UPENDRA: No; that was the understanding. It was agreed.

SHRI YASHWANT SINHA: No. The understanding clearly was that the Prime Minister be requested to come here and he would react to any point which might remain. It is not a *suo motu* statement. There is no question of clarifications.

SHRI PARVATHANENI UPENDRA: In that case let us be allowed to speak first before he reacts. Let us give our views. We will speak first and let him react to our questions.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (मध्य प्रदेश) : महोदया, दो तरीके हो सकते हैं।.... (**व्यवधान**) महोदया, देखिये, दो तरीके हो सकते हैं, एक तरीका यह है कि प्रधान मंत्री जी सदन में आ गये हैं, आज उनका वक्तव्य जो समाचारपत्रों में छपा है तमिलनाडु के बारे में, अगर वह उसके संबंध में कुछ कहना चाहते हैं, तो कहें। फिर हम स्पष्टीकरण के रूप में कुछ सवाल उनके सामने रखना चाहेंगे, और उनसे स्पष्टीकरण मांगेंगे।

प्रधान मंत्री (श्री चन्द्रशेखर) : किस बात का ?.... (**व्यवधान**)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : दूसरा तरीका यह है कि आज जो वक्तव्य छपा है और आप देख रहे हैं कि उससे सदन में काफी क्षोभ है, उसके बारे में हम अपनी प्रतिक्रिया प्रकट करें और प्रधान मंत्री उसका उत्तर दें। आप तय कर लीजिए प्रधान मंत्री की सलाह से कि कौनसा तरीका अपनायें।

श्री चन्द्रशेखर : कोई सा भी तरीका जो अपनायें वह हम मानने के लिए तैयार हैं।... (**व्यवधान**)

उपसभापति : एक मिनट सुनने दीजिए। प्रधान मंत्री जी क्या कह रहे हैं, सुनने दीजिए।

श्री चन्द्रशेखर : एक बात तो मैं बताऊं, मेरा कोई वक्तव्य नहीं छपा है।

मैंने दूसरे सदन में एक भाषण दिया, उसकी रिपोर्टिंग हुई। अब, उपसभापति जी, यह आपको निर्णय करना है कि दूसरे सदन के भाषण के ऊपर यहां पर विवाद होगा। अगर यह परंपरा बनती हो, तो हमें इसमें कोई एतराज नहीं है और माननीय सदस्य जो चाहें वह परंपरा अपना लें। ... (**व्यवधान**) ऐसा तो कोई मेरे पास उपाय नहीं है कि जो दूसरे सदन में मैं भाषण दूं, मैं यह देखूं कि वह अखबार में छप या नहीं, या किस तरह से छप। निर्णय दूसरा करना है कि मैंने कोई अलग से वक्तव्य नहीं दिया, छिप कर नहीं दिया, सदन में दिया। सदन में एक व्यक्ति ने भी कोई उस पर आपत्ति नहीं उठाई। वह रेकार्ड के ऊपर है। इसमें आप स्वयं देख लें कि यदि अनपार्लियामेंटरी हो या इंप्रोपर हो कोई बात तो उसका मैं जवाब देने को तैयार हूं।.... (**व्यवधान**)